भ्रष्टाचार पर कार्यवाही में एक आईएएस सहित103 अफसर निलंबित हुए

भजनलाल सरकार ने ढाई वर्ष के कार्यकाल में रिश्वत आदि के 108 मामलों में अभियोजन स्वीकृति दी

जयपुर, 29 मई। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भ्रष्ट और लापरवाह अफसरों के खिलाफ ताबडतोड कार्रवाई करते हुए साफ संदेश दे दिया है कि भ्रष्टाचारियों को शासन-प्रशासन में किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कडे तेवर दिखाते हुए जीरो टॉलरेंस की नीति पर ढ ाई वर्ष में एक आईएएस अधिकारी सहित, 103 अधिकारियों को निलंबित किया है। वहीं, 6 अफसरों को सेवा से बर्खास्त और 11 भ्रष्ट अधिकारियों की आजीवन पेंशन पर रोक लगाई है। उन्होंने रिश्वत, ट्रैप, पद का दुरूपयोग, आय से अधिक संपत्ति प्रकरणों के 108 मामलों में अभियोजन स्वीकृति दी है और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत 37 अन्य प्रकरणों में भी कठोर कार्रवाई की है।

रिश्वत, आय से अधिक संपत्ति और पद का दुरूपयोग करने पर अधिकारियों को न्यायालय में दोष सिद्ध होने के बाद तुरंत सेवा से निकाल बाहर किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्पष्ट कर दिया है कि आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जो अफसर जनता के पैसे पर डाका डालेगा, उसकी न नौकरी रहेगी, न पेंशन और न ही कानून से बचने का कोई रास्ता। सरकार ने 11 अधिकारियों को भ्रष्टाचार सहित, विभिन्न मामलों में आजीवन शत-प्रतिशत पेंशन रोक कर दण्डित किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जो जनता के पैसे पर डाका डालेगा, उसकी न नौकरी रहेगी, न पेंशन और न ही कानून से बचने का कोई रास्ता।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हाल ही में भ्रष्ट अधिकारियों पर शिकंजा कसते हुए एक और बडी कार्रवाई की है।

पीएचईडी की अलवर प्रयोगशाला के वरिष्ठ रसायनज्ञ प्रदीप कुमार हजरती ने पेयजल के नमूनों की गुणवत्ता जांच में फर्जी रिपोर्ट तैयार की। मुख्यमंत्री ने ऐसे घोर लापरवाह अधिकारी को तत्काल सेवा से बाहर करने का निर्णय लिया।

नीट पेपर लीक, सीबीआई निदेशक संसदीय समिति के समक्ष पेश

नई दिल्ली, 29 मई। राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी)-2026 पेपर लीक मामले में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक अभिषेक सिंह और केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक प्रवीण सूद शुक्रवार को संसद की सरकारी आश्वासन समिति के समक्ष पेश हुए।

- राज्यसभा सदस्य थंबी दुरै संसदीय समिति के अध्यक्ष हैं।

परीक्षा में कथित अनियमितताओं और जांच की प्रगति की समीक्षा के लिए इन अधिकारियों ने संसदीय समिति को जानकारी दी।

राज्यसभा सदस्य एम. थंबीदुरई की अध्यक्षता वाली इस संसदीय समिति में अध्यक्ष सहित कुल 11 सदस्य हैं। बैठक की अध्यक्षता थंबीदुरई ने की। बैठक में शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के सचिव भी मौजूद रहे। समिति ने नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले की जांच और अब तक की कार्रवाई पर विस्तृत जानकारी मांगी। बैठक में सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद के साथ एजेंसी के विशेष निदेशक, अतिरिक्त निदेशक और संयुक्त निदेशक स्तर के अधिकारी भी शामिल हुए।

एनआईए ने अजमेर-नीमराना में छापे मारे, पाकिस्तान के आतंकी नेटवर्क पर कार्यवाही

ये छापे पाकिस्तान के ऑपरेटिव जसवीर चौधरी व गैंगस्टर शहजाद भट्टी के आतंकी मॉड्यूल पर हुए

जयपुर, 29 मई। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को राजस्थान सहित देश के चार राज्यों में बड़े स्तर पर कार्रवाई करते हुए बारह ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। राजस्थान में अजमेर और नीमराना (बहरोड़-कोटपूतली) में एनआईए की टीमों ने दबिश देकर संदिग्धों से पूछताछ की और कई डिजिटल उपकरण व दस्तावेज जब्त किए।

एनआईए सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान के ऑपरेटिव जसवीर चौधरी और कुख्यात गैंगस्टर शहजाद भट्टी से जुड़े आतंकी मॉड्यूल की जांच के तहत यह कार्यवाही की गई है। एनआईए की टीमों उत्तर प्रदेश में पांच,राजस्थान और बिहार में दो-दो तथा महाराष्ट्र में तीन ठिकानों पर पहुंचीं। जब्त किए गए डिजिटल सबूतों की फोरेंसिक जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार अजमेर के बोराज रोड स्थित अंबिका विहार कॉलोनी में एनआईए की टीम शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे एक रिटायर्ड शिक्षक के मकान पर पहुंची। यहां किराये पर रह रहे भीलवाड़ा मूल निवासी परमेश मीणा को हिरासत में लेकर घंटों पूछताछ की गई। सूत्रों के मुताबिक परमेश मीणा लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में था और उसके संबंध पाकिस्तान में बैठे गैंगस्टर शहजाद भट्टी से जुड़े होने की आशंका है।

- शहजाद भट्टी पाकिस्तान का कुख्यात गैंगस्टर है। वह आईएसआई से जुड़ा हुआ है तथा दुबई से अपना नेटवर्क चलाता है। वह सोशल मीडिया के माध्यम से भारतीय युवाओं को भड़काने और उन्हें स्लीपर सैल के रूप में तैयार करने का प्रयास करता है।

बताया जा रहा है कि एनआईए ने उसके मोबाइल डेटा, विदेशी नंबरों से संपर्क और संदिग्ध डिजिटल ट्रांज़ैक्शन के आधार पर कार्रवाई की। पूछताछ के बाद एजेंसी उसे दिल्ली ले गई। हालांकि एनआईए की ओर से अभी तक आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

वहीं नीमराणा में भी एनआईए और स्थानीय पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लिया। उसे थाने ले जाकर पूछताछ की जा रही है।

सूत्रों के अनुसार जांच में सामने आया है कि पाकिस्तान स्थित नेटवर्क भारत-पाक सीमा पर ड्रोन के जरिए हथियार, गोला-बारूद और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) भेजने की साजिश में शामिल था।

जांच एजेंसियों के मुताबिक शहजाद भट्टी पाकिस्तान का कुख्यात गैंगस्टर है, जिसके आईएसआई से जुड़े होने की भी संभावना है। बताया जा रहा है कि वह दुबई से अपना नेटवर्क संचालित करता है और सोशल मीडिया के माध्यम से भारतीय युवाओं को भड़काने तथा उन्हें स्लीपर सेल के रूप में तैयार करने का प्रयास कर रहा है। सुरक्षा एजेंसियों को इनपुट मिले हैं कि पंजाब, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के युवाओं को निशाना बनाकर उन्हें नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है।

सूत्रों का यह भी कहना है कि भट्टी का संबंध गैंगस्टर रोहित गोदारा और बांबिया गैंग से भी जुड़ा हुआ है।

एक बार जो सामान तृणमूल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यहां तक कि जैविक और अजैविक कचरे के लिए इस्तेमाल होने वाली हरी और नीली प्लास्टिक की बाल्टियां भी लोगों को नहीं दी गईं। इसके बजाय, पार्टी दफ्तरों में इन बाल्टियों के ढेर मिले। भगवान ही जाने, इन्हें किस काम के लिए जमा करके रखा गया था। ये ज़रूरी चीज़ें, नगर निगम के स्थानीय दफ्तरों तक पहुंचने के बावजूद लोगों को नहीं दी गईं।

यह बात कहना भी शायद थोड़ा आपत्तिजनक लग सकता है, लेकिन ऐसी चीजों को जमा करके रखने की मानसिकता सामान जमा करने वालों के सामाजिक स्तर के बारे में बहुत कुछ बताती है। समाज के सबसे निचले स्तर पर रहने वाले लोग ही ऐसी सामग्री मिलने पर इस तरह का व्यवहार कर सकते हैं।

समाज के इन्हीं तबकों से आए लोगों ने ही पार्टी के लगभग सभी दफ्तरों पर कब्जा कर लिया था और पार्टी की, पूरी तरह से जबरदस्ती और वसूली वाली मानसिकता को बढ़ावा दिया था।

दूसरे स्तर पर, कुछ पार्टी दफ्तरों से मकानों और जमीनों के असली मालिकाना दस्तावेजों के ढेर भी मिले। पुलिस को पूरा विश्वास है कि इन इलाकों के नगर निकाय पार्षद इन दस्तावेजों का इस्तेमाल गैरकानूनी तरीके से संपत्ति हथियाने के लिए कर रहे थे।

जैसा कि कई गिरफ्तार नगर पार्षदों और स्थानीय निकायों के मामले में सामने आया है, उनके पास अपने इलाकों के साथ-साथ, दूसरे स्थानों पर भी कई मकान और जमीन के प्लॉट थे।

इन स्थानीय निकायों के चुने हुए अधिकारियों के पास उनकी घोषित आय से कहीं ज्यादा संपत्तियां मिलीं। एक तृणमूल कार्यकर्ता के पास सरकारी निशान वाले 13 बोरे मछली चारे के मिले। उसके पास कैल्शियम और दूसरी चीजों के भी 13 बोरे जमा पाए गए।

एक भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक ने पुलिसकर्मियों के सामने खुले तौर पर अपनी मां और भाई की हत्या की शिकायत की। उस व्यक्ति ने एक खुली बैठक में बताया कि वह पिछले पांच वर्षों से सरकार से न्याय मांगते हुए संघर्ष कर रहा है। उसके परिजनों की हत्या उसकी आंखों के सामने बेहद दर्दनाक और अमानवीय तरीके से की गई थी।

आम लोगों द्वारा क्रूर हत्याओं की घटनाओं के जो खुलासे किए जा रहे हैं, वे लोगों में सिहरन पैदा कर रहे हैं। तृणमूल के पदाधिकारियों और समर्थकों की क्रूरता यह दिखाती है कि जमीनी स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों की मानसिकता कितनी भयावह रूप से विकृत हो चुकी थी।

भोपाल में नकली कफ सिरप फैक्ट्री पकड़ी गई

- दो कमरों में 50 हजार कफ सिरप की बोतलें, 700 पेटियां व पैकेजिंग मशीन बरामद हुई।

भोपाल, 29 मई। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के गांधीनगर क्षेत्र में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने किराए के मकान में संचालित नशीले कफ सिरप की फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। मामले में तीन नाबालिगों सहित, कुल 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में कफ सिरप, पैकेजिंग सामग्री और मशीनें जब्त की गईं। जब्त माल की कीमत लगभग डेढ़ करोड़ रुपये बताई जा रही है।

मध्य प्रदेश एसटीएफ के उप पुलिस महानिरीक्षक राहुल लोढ़ा ने शुक्रवार शाम को पत्रकार वार्ता में बताया कि गांधीनगर स्थित डोबरा पटेल सिटी कॉलोनी के एक मकान में पिछले कई महीनों से अवैध रूप से नशीले कफ सिरप की पैकिंग और सप्लाई की जा रही थी। मुखबिर की सूचना के आधार पर एसटीएफ ने गुरुवार देर रात दबिश देकर कार्रवाही की। कार्रवाही देर रात 12 बजे शुरू हुई और तड़के सुबह 3 बजे तक चली। जांच के दौरान मकान के दो कमरों से कफ सिरप की करीब 50 हजार बोतलें, 700 से अधिक पेटियां तथा पैकेजिंग मशीनें बरामद की गईं। एसटीएफ के मुताबिक, एक बोतल सिरप की कीमत करीब 200 रुपये है। जब्त माल की कुल कीमत डेढ़ करोड़ रुपये है।

हरियाणा में चलेगी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और हाइड्रोजन रीफ्यूलिंग चक्र के डेटा लॉग तक पूरी पहुंच सुनिश्चित किया जाना जरूरी है।

हाइड्रोजन प्लांट और रीफ्यूलिंग सुविधा के लिये परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था की जाएगी ताकि अनधिकृत प्रवेश को रोका जा सके।

हाइड्रोजन ट्रेनसेट के रखरखाव के संबंध में, शकूरबस्ती में प्रस्तावित मेंटेनेंस सुविधा पर मानक दिशानिर्देशों के अनुसार सभी आवश्यक सुरक्षा प्रावधान सुनिश्चित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा, नियमित ऑडिट और जांच की व्यवस्था विकसित कर लागू की जाएगी। निर्धारित समय (छह महीने) के भीतर एक स्टैंडबाय कंप्रेसर यूनिट की व्यवस्था की जाएगी। भविष्य में बनने वाले सभी हाइड्रोजन ट्रेनसेट रेकों में अंडर-गियर उपकरणों की मजबूत फिटिंग सुनिश्चित की जाएगी।

प्रारंभिक तीन महीनों के लिए, ट्रेन के साथ प्रशिक्षित तकनीकी कर्मचारी रहेंगे, जिन्हें हाइड्रोजन ट्रेनसेट की विशेष जानकारी होगी और वे यात्रा के दौरान आने वाली तकनीकी समस्याओं का समाधान करेंगे। रावत ने ग्रीन हाइड्रोजन ईंधन के वैकल्पिक स्रोतों की खोज करने के निर्देश भी दिए हैं।

'कलेक्टर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिकाकर्ता की एक वेतन वृद्धि संचयी प्रभाव से रोकने का दंड दिया। जिसे चुनौती देते हुए कहा गया कि कलेक्टर को नियमानुसार सिर्फ असंचयी प्रभाव से वेतन वृद्धि रोकने का अधिकार है। कानून में कलेक्टर को केवल माइनर पेनल्टी लगाने का अधिकार है, जबकि संचयी वेतन वृद्धि रोकने का दंड मेजर पेनल्टी में आता है। राज्य सरकार की ओर से अक्टूबर, 2017 में भी इस संबंध में परिपत्र जारी किया गया है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

मोहनजोदाड़ो की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईरान के कुछ हिस्सों में लगभग 3200 ईसा पूर्व से 2700 ईसा पूर्व के बीच विकसित हुई थी। भारतीय विद्वानों ने बड़े स्तर पर ट्रुश्के की इस व्याख्या से असहमति जताई है।

लेखक अमीश त्रिपाठी ने कहा है कि पशुपति मुहर में एक हाथी, एक जल भैंसा और एक गैंडा दिखाए गए हैं। "ये जानवर प्राचीन ईरान के नहीं, बल्कि भारत के मूल निवासी हैं। साथ ही, आकृति योग मुद्रा में बैठी हुई है।"

इतिहासकार और प्रोफेसर लावण्या वेमसानी ने कहा कि प्राचीन ईरान की मुहरें पशुपति-प्रोटो शिव मुहर से पूरी तरह अलग थीं। "वे एक जैसी नहीं हैं। तुलना करने लायक उनमें एक प्रतिशत भी समानता नहीं है।"

दिलचस्प बात यह है कि 1920 के दशक में मोहनजोदड़ो की खुदाई का नेतृत्व करने वाले ब्रिटिश पुरातत्वविद जॉन मार्शल ने इस आकृति को "प्रोटो-शिव" या पशुओं के स्वामी पशुपति के प्रारंभिक रूप के तौर पर पहचाना था। पिछली लगभग आधी सदी से यह व्याख्या लोगों की आम समझ को प्रभावित करती रही है, हालांकि समय-समय पर विरोधी मत भी सामने आते रहे हैं। ट्रुश्के ने एक बार फिर इस बहस को हवा दे दी है, जिसमें स्पष्ट रूप से राजनीतिक संकेत भी दिखाई दे रहे हैं।

'रिज़र्व आदेशों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घोषणा और जमानत निर्णयों की समय पर अनुपालना को सुनिश्चित किया जा सके।

शिक्षकों के लिए अनिवार्य टीईटी की डेडलाइन एक साल बढ़ी

- सुप्रीम कोर्ट ने डेडलाइन बढ़ाई पर मौजूदा शिक्षकों को परीक्षा से छूट देने से इंकार किया।

नई दिल्ली, 29 मई। सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षकों के लिए अनिवार्य टीईटी पास करने की डेडलाइन एक साल के लिए बढ़ा दी है।

अब यह पात्रता हासिल करने के लिए शिक्षकों को 31 अगस्त, 2028 तक का मौका दिया गया है। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने मौजूदा टीचरों को इस परीक्षा से छूट देने से साफ इनकार कर दिया है और कहा है कि उन्हें यह परीक्षा पास करनी ही होगी।

सुप्रीम ने मौजूदा टीचरों को टीईटी पात्रता परीक्षा से छूट देने की गुजारिश यह कहकर ठुकरा दी है कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए योग्य टीचर जरूरी हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से देशभर के लाखों टीचरों को टीईटी पास करने के लिए दो साल से ज्यादा की मोहलत मिल गई है।

सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले के बाद अब टीचरों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) पास करने के लिए 31 अगस्त, 2027 की जगह 31 अगस्त, 2028 तक की मोहलत मिल गई है।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस दीपांकर दत्ता की अगुवाई वाली बेंच ने कई पुनर्विचार याचिकाओं पर सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया है।

शिक्षक पात्रता परीक्षा उन लोगों के लिए आयोजित होती है, जो देश भर में सरकारी या सरकारी सहयता प्राप्त या प्राइवेट स्कूलों में क्लास 1 से 8 तक टीचर के पदों पर नियुक्त होना चाहते हैं या पहले से काम कर रहे हैं, लेकिन यह परीक्षा पास करना बाकी है।

टीचरों को टीईटी से छूट देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में उत्तर प्रदेश,मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों के शिक्षक संगठनों और राज्य सरकारों ने पुनर्विचार याचिका दायर की थी।

'जांच के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वहीं अदालत में एडीजी वीके सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी अदालत में हाजिर हुए।

एडीजी सिंह की ओर से कहा गया कि अदालती आदेश की पालना में डीजीपी ने एक कमेटी गठित की है। जिसने रिपोर्ट दी है कि पुलिस थानों में अलग-अलग कानून व्यवस्था, अनुसंधान और प्रशासनिक विंग स्थापित की जाएगी।

इसके लिए पायलट प्रोजेक्ट के लिए 20 पुलिस थानों को चिन्हित किया गया है। रिपोर्ट में यह भी माना गया कि शहरी पुलिस थानों में एक जांच अधिकारी के पास 40 से 70 मुकदमों की जांच रहती है। वहीं महिला अपराध और संपत्ति से जुडे मामले में सजा का प्रतिशत भी 40 से 50 फीसदी के बीच है। सभी पक्षों को देखने के बाद अदालत ने पुलिस प्रशासन को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

जहरीली शराब से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुणे सिटी पुलिस ने हडपसर थाने में आकाश जाधव और एक अन्य अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। जांच में सामने आया है कि योगेश वानखेड़े ने ही दोनों जगहों पर शराब की सप्लाई की थी।

मामले में पुणे की उरुली कांचन पुलिस ने जहरीली शराब पीने से लगातार हुई मौतों के बाद शिंदेवडे और भवरापुर में अवैध शराब की भट्टियों पर छापा मारा और एक लाख रुपये से अधिक का सामान जब्त कर लिया। मामले की जांच में चौकाने वाला खुलासा हुआ है कि मुख्य आरोपी योगेश वानखेड़े ने अवैध देशी शराब का नशा बढ़ाने के लिए ई-कॉमर्स वेबसाइट के जरिये मेथेनॉल खरीदा था।

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने इस घटना पर सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री ने पुणे और पिंपरी चिंचवड़ के पुलिस आयुक्तों को दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने दोनों शहरों की पुलिस को आपसी तालमेल के साथ जांच करने को कहा है।

यूपी में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बीच बेतवा नदी पर एक नया पुल का निर्माण पिछले तीन सालों से चल रहा है। आज तड़के करीब तीन बजे सभी मजदूर निर्माणाधीन पुल के नीचे सो रहे थे। तभी तेज आंधी और तूफान के दौरान पुल की स्लैब शटरिंग भरभराकर ढ ह गई, हादसे में कई मजदूर मलबे में दब गए। सूचना पाते ही पुलिस और सेतु निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे। राहत एवं बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ को लगाया गया है। बचाव दल ने पुल के पिलर में फंसे तीन मजदूरों को बचा लिया गया है।

मौसम विभाग ने सामान्य से कम बारिश की भविष्यवाणी की

मौसम विभाग ने जून में और तेज लू चलने की चेतावनी भी दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 मई। भारत इस वर्ष एक चुनौतीपूर्ण मानसून मौसम की ओर बढ रहा है। मौसम विभाग ने देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से कम बारिश का अनुमान जताया है और चेतावनी दी है कि जून से ही कई राज्यों में सामान्य से अधिक लू वाले दिन देखने को मिल सकते हैं।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को जून-सितंबर मानसून मौसम के लिए अपना दूसरा चरण का दीर्घकालिक पूर्वानुमान जारी किया। इसमें देशभर में बारिश को दीर्घकालिक औसत (एलपीए) का 90 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। मॉडल में चार प्रतिशत की त्रुटि की संभावना भी बताई गई है।

आईएमडी के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इस बार मानसून देश के बडे हिस्सों में सामान्य से कम रह सकता है। उन्होंने कहा, हम जून-सितंबर मानसून का दूसरा चरण का अपडेट दे रहे हैं। मात्रात्मक रूप से हम एलपीए का 90 प्रतिशत बारिश का अनुमान लगा रहे हैं, जिसमें चार प्रतिशत मॉडल त्रुटि की संभावना है।

- पत्रकारों से वार्ता में मौसम विभाग के अफसरों ने चुनौतीपूर्ण मानसून की भविष्यवाणी करते हुए कहा कि देश के अधिकांश भागों में सामान्य से कम वर्षा होगी।
- विभाग ने कहा कि उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, बिहार, ओडिशा, गुजरात, छत्तीसगढ़, आँध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना व तमिलनाडु में ज्यादा लंबे समय तक गर्म लू चलने की आशंका है।

क्षेत्रीय तस्वीर काफी असमान दिखाई दे रही है। पूर्वोत्तर भारत में सामान्य बारिश होने की संभावना है, जो 94 से 106 प्रतिशत के दायरे में रहेगी। लेकिन मध्य भारत, दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत, उत्तर-पश्चिम भारत और मानसून कोर ज़ोन, जो खेती के लिए सबसे ज्यादा मानसूनी बारिश पर निर्भर क्षेत्र है, वहां सामान्य से कम बारिश का अनुमान है।

विशेष रूप से जून महीने में देश के अधिकांश हिस्सों में एलपीए के 92 प्रतिशत से कम बारिश होने की संभावना है। हालांकि उत्तर-पश्चिम भारत, पूर्वोत्तर भारत और दक्षिणी प्रायद्वीप के कुछ हिस्सों में सामान्य या सामान्य से अधिक बारिश हो सकती है।

कम बारिश की आशंका के साथ आईएमडी ने जून की शुरुआत में भीषण गर्मी की चेतावनी भी दी है। देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावना है। केवल मध्य, उत्तर-पश्चिम और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में इससे थोड़ी राहत मिल सकती है।

उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ , गुजरात और आंध्र प्रदेश में सामान्य से अधिक लू वाले दिनों का अनुमान है। वहीं, महाराष्ट्र, तेलंगाना और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में भी गर्मी का दबाव बढ सकता है।

हालांकि उत्तर-पश्चिम भारत को फिलहाल थोड़ी राहत मिलने की संभावना है। आईएमडी ने गुरुवार को अगले तीन दिनों में पश्चिमी विक्षोभ और पूर्वी हवाओं के कारण तेज गर्मी से राहत का अनुमान जताया है। इससे कई इलाकों में आंधी, तेज हवाएं और ओलावृष्टि हो सकती है।

इस पूर्वानुमान के पीछे सबसे बड़ी चिंता समुद्री परिस्थितियों का एल नीनो की ओर बढ़ना है। एल नीनो एक ऐसी मौसमीय स्थिति है, जिसे दक्षिण एशिया में कमजोर मानसून से जोड़कर देखा जाता है। महापात्र ने कहा कि फिलहाल तटस्थ ईएनएसओ परिस्थितियां बदल रही हैं और जून तक एल नीनो बनने की संभावना 82 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। जुलाई और अगस्त तक इसके 90 प्रतिशत से ऊपर जाने की आशंका है। वहीं, "न्यूट्रल इंडियन ओशन डाइपोल" (भारतीय महासागर द्विध्रुव) की तटस्थ स्थिति पूरे मौसम में बनी रहने की संभावना है, जिससे कोई विशेष संतुलन नहीं मिल पाएगा।

दिल्ली एयरपोर्ट पर देश का पहला स्काई सिस्टम लॉंच

नई दिल्ली, 29 मई। कोहरे के कारण उड़ानों में देरी में अब कमी आएगी। शुक्रवार को दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल तीन पर भारत के पहले स्काई कास्ट सिस्टम की शुरुआत की गई। इसके जरिए पायलटों और एयर ट्रैफिक कंट्रोल को रियल-टाइम मौसम संबंधी जानकारी मिलेगी, जिससे कोहरे, खराब दृश्यता और मौसम संबंधी अन्य समस्याओं के कारण होने वाली फ्लाइट देरी, डायवर्जन और कैंसिलेशन में कमी आएगी। भारत ऐसा एडवांस इंटीग्रेटेड एविएशन वेदर मॉनिटरिंग सिस्टम लगाने वाला दुनिया का 19वां देश बन गया है।

- अब दिल्ली एयरपोर्ट पर कोहरे से उड़ानों में देरी नहीं होगी।

इस मौके पर केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्काई कास्ट सिस्टम का उद्घाटन करते हुए इसे भारतीय विमानन क्षेत्र में एक बड़ी तकनीकी उपलब्धि बताया। उन्होंने बताया कि दिल्ली के बाद अगला स्काई कास्ट सिस्टम जेवर एयरपोर्ट पर स्थापित किया जाएगा। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से देश के अन्य एयरपोर्ट्स पर भी इस तकनीक का विस्तार किया जाएगा।

एसओजी ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी के कर्मचारी को गिरफ्तार किया

जयपुर, 29 मई। राजस्थान लोकसेवा आयोग (आरपीएससी) की प्राध्यापक-हिंदी (स्कूल शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2022 में फर्जी डिग्री के जरिए सरकारी नौकरी हासिल करने के मामले में राजस्थान स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए मेवाड़ यूनिवर्सिटी, गंगरार (चित्तौड़गढ) के फाइलिंग असिस्टेंट बीरेन्द्र सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर 30 मई तक पुलिस रिमांड पर लिया गया है। एसओजी को पूछताछ में फर्जी डिग्री गिरोह से जुड़े कई अहम खुलासे होने की उम्मीद है।

- आरपीएससी में भर्ती के लिए प्रत्याशी को फर्जी डिग्री उपलब्ध कराई।

एसओजी के एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि प्राध्यापक-हिंदी भर्ती परीक्षा-2022 में पात्रता जांच के दौरान अभ्यर्थी ब्रह्मा कुमारी ने आयोग में मेवाड़ यूनिवर्सिटी, गंगरार से जारी एमए हिंदी की डिग्री प्रस्तुत की थी। दस्तावेजों के सत्यापन में सामने आया कि यह डिग्री विश्वविद्यालय द्वारा जारी ही नहीं की गई थी। जांच में यह भी सामने आया कि अभ्यर्थी ने झूठा शपथ पत्र पेश कर फर्जी डिग्री के आधार पर नियुक्ति हासिल करने का प्रयास किया था। इस संबंध में अजमेर के सिविल लाइंस थाने में मामला दर्ज किया गया, जिसकी जांच एसओजी कर रही है।

एसओजी जांच में खुलासा हुआ कि मेवाड़ यूनिवर्सिटी के फाइलिंग असिस्टेंट बीरेंद्र सिंह ने यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट कौशल किशोर चंद्रुल, ध्वज कीर्ति शर्मा, सुशील कुमार शर्मा, राजेश सिंह राणावत और अन्य लोगों के साथ मिलकर पूरी साजिश रची। आरोपी ने अपनी ईमेल आईडी से दिल्ली स्थित एक प्रिंटिंग प्रेस को मेल भेजकर ब्रह्मा कुमारी के नाम से एमए (हिंदी) की फर्जी डिग्री छपवाई। बाद में यूनिवर्सिटी के अधिकारियों के हस्ताक्षर करवाकर यह डिग्री अभ्यर्थी को उपलब्ध कराई गई।

एसओजी के अनुसार, आरोपी बीरेन्द्र सिंह के खिलाफ पहले भी अजमेर के सिविल लाइंस थाने में फर्जी डिग्री जारी करने में सहयोग करने का मामला दर्ज हो चुका है, जिसमें उसे गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा, गुजरात के आनंद थाने में भी इसी प्रकार का मामला दर्ज है, जहां उसकी गिरफ्तारी भी हो चुकी है। एसओजी ने बताया कि इस फर्जी डिग्री प्रकरण में अब तक मुख्य अभ्यर्थी ब्रह्मा कुमारी सहित, कुल 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी बीरेन्द्र सिंह मूल रूप से दोगाथ उत्तर प्रदेश का निवासी है और वर्तमान में गाजियाबाद में रह रहा था। एसओजी अब इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और फर्जी डिग्री नेटवर्क की कड़ियों को खंगालने में जुटी है।

वाइस एडमिरल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद साउथ ब्लॉक में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वाइस एडमिरल कोचर ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नौसेना की उच्च-स्तरीय युद्ध-तैयारी का नेतृत्व किया था। उन्होंने भारतीय नौसेना के 48वें वाइस चीफ के रूप में कार्यभार संभाला। वे अपने साथ नौसेना मुख्यालय में अग्रिम मोर्चे का व्यापक अनुभव लेकर आए हैं। नौसेना के दूसरे सबसे बड़े अधिकारी के तौर पर कमान संभालने से पहले उन्होंने अंडमान और निकोबार कमांड के कमांडर-इन-चीफ के तौर पर काम किया था।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:**-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908